DAILY GENERAL AWARENESS QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com
DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

1. हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी टीम को 50 लाख रुपये का इनाम दिया। इसी संदर्भ में बताइए कि FIH महिला हॉकी विश्व कप के इतिहास में कौन सा देश सबसे सफल राष्ट्रीय टीम रही है, जिसने नौ खिताब जीते हैं?
(A) ऑस्ट्रेलिया (B) अर्जेंटीना
(C) जर्मनी (D) नीदरलैंड्स

2. FSSAI ने HFSS पैक्ड फ़ूड के लिए लाल हेक्सागोनल वॉर्निंग लेबल का प्रस्ताव दिया है। इसी संदर्भ में हमें बताएं कि फ़ूड सेफ़्टी स्टैंडर्ड्स में रेगुलेटरी एक्रोनिम "HFSS" का क्या मतलब है?
(A) हाई फ़ाइबर, सॉल्युबल शुगर
(B) हाई फ़ैट, शुगर और सॉल्ट
(C) हेल्दी फ़ूड सेफ़्टी स्टैंडर्ड्स
(D) हाईली फ़ॉर्म्युलेटेड सोडियम सब्स्टिट्यूट

3. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2026 में उज़्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा की। इसी संदर्भ में बताइए कि जनवरी 1966 में भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का निधन उज़्बेकिस्तान के किस शहर में हुआ था?
(A) समरकंद (B) बुखारा
(C) ताशकंद (D) फरगाना

4. भारत में मलेरिया के मामलों और उससे होने वाली मौतों में 80% की कमी आई है। इसी संदर्भ में बताइए कि संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने के बाद, प्लाज्मोडियम पैरासाइट रेड ब्लड सेल्स (लाल रक्त कोशिकाओं) में प्रवेश करने से पहले शरीर के किस अंग को सबसे पहले संक्रमित करता है?
(A) किडनी (B) फेफड़े
(C) लिवर (D) प्लीहा

5. भारत और चीन सीमा वार्ता पर 8-सूत्रीय सहमति पर सहमत हुए हैं। इसी संदर्भ में बताएं कि डोकलाम में 73 दिनों तक चला तनावपूर्ण गतिरोध किस वर्ष हुआ था?
(A) 2014 (B) 2017
(C) 2020 (D) 2022

6. सरकार ने लीगल मेट्रोलॉजी नियम 2026 को अधिसूचित किया: पूरे भारत में 'इंडियन स्टैंडर्ड टाइम' को एकमात्र संदर्भ के रूप में अनिवार्य किया गया।
भारत में समय के प्रसार के नियामक और संस्थागत ढांचे के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
(1) इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (82.5 डिग्री पूर्व) की मानक मध्याह्न रेखा दक्षिणी राज्य तेलंगाना से होकर गुजरती है।
(2) CSIR-NPL नैनोसेकंड की सटीकता के साथ समय का समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एटॉमिक क्लॉक्स (परमाणु घड़ियों) का उपयोग करके 'प्राइमरी फ्रीक्वेंसी स्टैंडर्ड' का रखरखाव करता है।
(3) लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) नियम, 2026 के कार्यान्वयन की देखरेख उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा की जाती है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

7. लराक द्वीप पर हुए हमले के जवाब में ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।
लराक द्वीप के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
(1) लराक द्वीप होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित ईरान का एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीप है।
(2) यह होर्मुज द्वीप के दक्षिण और केशम द्वीप के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
(3) लराक द्वीप लाल सागर और अदन की खाड़ी के बीच सबसे संकरा भू-भाग वाला बॉर्डर बनाता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

8. प्रकृति अध्ययन में गढ़वाल हिमालय के अलकनंदा बेसिन में 219 लटकते हिमनदों की पहचान की गई है।
लटकते हिमनदों की विशेषताओं और निर्माण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
(1) लटकते हिमनद खड़ी पर्वतीय ढलानों पर स्थित बर्फ के विशाल पिंड होते हैं जो आसानी से टूटकर बड़े हिमस्खलन को जन्म दे सकते हैं।
(2) इनका निर्माण तब होता है जब एक प्रमुख घाटी हिमनद प्रणाली पीछे हटती है और पतली हो जाती है, जिससे सहायक हिमनद सिकुड़े हुए केंद्रीय हिमनद से काफी ऊपर स्थित रह जाते हैं।
(3) जब एक पूरी हिमनद प्रणाली पिघलकर पूरी तरह से गायब हो जाती है, तो परिणामस्वरूप बनने वाली ऊँची खाली घाटियों को लटकती घाटियाँ कहा जाता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से सभी

1-{D} - 2-{B} - 3-{C} - 4-{C} - 5-{B} - 6-{C} - 7-{B} 8-{D}

GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY GENERAL STUDIES QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

HISTORY

1. पुरापाषाण काल में स्थायी कृषि बस्तियाँ क्यों नहीं थीं?
(A) मिट्टी अनुपजाऊ थी
(B) मानव घुमंतू था
(C) वर्षा नहीं होती थी
(D) नदियाँ नहीं थीं

2. भीमबेटका किस प्रकार के पुरातात्त्विक अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है?
(A) शैलाश्रय
(B) स्तूप
(C) मंदिर
(D) बंदरगाह

3. पुरापाषाण काल में मनुष्य के जीवन में कौन-सा संसाधन सबसे महत्वपूर्ण था?
(A) प्राकृतिक भोजन
(B) मुद्रा
(C) धातु
(D) लिखित कानून

4. निम्न में से किसका विकास पुरापाषाण काल के बाद अधिक स्पष्ट हुआ?
(A) कृषि
(B) शिकार
(C) पत्थर उपकरण
(D) खाद्य-संग्रह

5. पुरापाषाण काल में मानव के औजारों का प्रमुख उद्देश्य क्या था?
(A) जीविका संबंधी कार्य
(B) धार्मिक अनुष्ठान
(C) लेखन
(D) प्रशासन

6. निम्न में से कौन-सा स्थल प्रागैतिहासिक शैलचित्रों के लिए प्रसिद्ध है?
(A) भीमबेटका
(B) पाटलिपुत्र
(C) तक्षशिला
(D) वैशाली

7. पुरापाषाण काल के मनुष्य ने भोजन प्राप्त करने के लिए मुख्यतः क्या किया?
(A) खेती
(B) शिकार और संग्रह
(C) व्यापार
(D) कर वसूली

8. पुरापाषाण काल में सामाजिक संगठन कैसा रहा होगा?
(A) छोटे समूहों पर आधारित
(B) विशाल साम्राज्य
(C) नगर-राज्य
(D) केंद्रीकृत राज्य

9. निम्न में से कौन-सा पुरापाषाण काल की तकनीकी उपलब्धि थी?
(A) पत्थर तराशना
(B) लोहे का गलाना
(C) मुद्रण
(D) कागज निर्माण

10. पुरापाषाण काल में पशुओं का उपयोग मुख्यतः किस रूप में होता था?
(A) भोजन
(B) कृषि पशु
(C) परिवहन
(D) मुद्रा

1-{B}-2-{A}-3-{A}-4-{A}-5-{A}-6-{A}-7-{B}-8-{A}-9-{A}-10-{A}

GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY STATIC GK ONE-LINERS

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

प्रवाल भित्ति (Coral Reefs)

1. परिचय

- प्रवाल भित्ति (Coral Reef) समुद्र में पाए जाने वाले प्रवाल पॉलीप (Coral Polyps) नामक सूक्ष्म समुद्री जीवों द्वारा निर्मित चूना-पत्थर (Calcium Carbonate - $CaCO_3$) की कठोर संरचना है।
- प्रवाल निडेरिया (Cnidaria) संघ तथा एन्थोज़ोआ (Anthozoa) वर्ग के जीव हैं।
- इन्हें समुद्र के "उष्णकटिबंधीय वर्षावन (Rainforests of the Sea)" कहा जाता है क्योंकि इनमें अत्यधिक जैव विविधता पाई जाती हैं।
- विश्व के कुल समुद्री क्षेत्रफल का लगभग 0.1% भाग घेरने के बावजूद ये लगभग 25% समुद्री प्रजातियों को आवास प्रदान करती हैं।

2. प्रवाल भित्तियों के निर्माण की आवश्यक परिस्थितियाँ

- समुद्र का तापमान लगभग 20°C से 30°C के बीच हो।
- समुद्र का जल स्वच्छ, पारदर्शी तथा कम गंदला हो।
- लवणता लगभग 27–40 PSU (Practical Salinity Unit) हो।
- जल की गहराई सामान्यत: 50 मीटर से कम हो ताकि पर्याप्त सूर्य का प्रकाश उपलब्ध हो।
- ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा तथा प्रदूषण का निम्न स्तर हो।

3. प्रवाल भित्तियों के प्रमुख प्रकार (Charles Darwin के अनुसार)

(क) तटीय प्रवाल भित्ति (Fringing Reef)

- सीधे समुद्र तट से जुड़ी होती है।
- सबसे सामान्य प्रकार।
- उदाहरण: लाल सागर, अंडमान एवं निकोबार के कुछ तटीय क्षेत्र।

(ख) अवरोधक प्रवाल भित्ति (Barrier Reef)

- तट से कुछ दूरी पर स्थित होती हैं तथा बीच में लैगून (Lagoon) पाया जाता है।
- उदाहरण: ऑस्ट्रेलिया की ग्रेट बैरियर रीफ (विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति)।

(ग) प्रवाल वलय (Atoll)

- वृत्ताकार अथवा घोड़े की नाल जैसी संरचना, जिसके मध्य में लैगून होता है।
- उदाहरण: लक्षद्वीप द्वीपसमूह।

4. भारत में प्रवाल भित्तियों का वितरण

भारत में चार प्रमुख प्रवाल भित्ति क्षेत्र हैं—

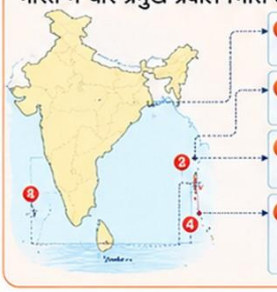

1. **लक्षद्वीप** – एटोल (Atoll) प्रकार।
2. **अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह** – मुख्यत: तटीय (Fringing) प्रकार।
3. **मन्नार की खाड़ी (तमिलनाडु)** – तटीय प्रवाल भित्ति।
4. **कच्छ की खाड़ी (गुजरात)** – तटीय प्रवाल भित्ति; उच्च लवणता एवं ज्वारीय प्रभाव के बावजूद विकसित।

5. प्रवाल भित्तियों का महत्व

- समुद्री जैव विविधता का प्रमुख आश्रय।
- मत्स्य पालन एवं समुद्री खाद्य संसाधनों का आधार।
- समुद्री तूफानों एवं तटीय कटाव से प्राकृतिक सुरक्षा।
- पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा।
- औषधीय अनुसंधान एवं जैव-प्रोद्योगिकी में उपयोगी।
- कार्बन चक्र एवं समुद्री पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक।

6. प्रमुख खतरे

- जलवायु परिवर्तन एवं समुद्री तापमान में वृद्धि।
- प्रवाल विरंजन (Coral Bleaching) – उच्च तापमान के कारण सहजीवी शैवाल जुज़ैंथेली (Zooxanthellae) के निकल जाने से प्रवाल सफेद पड़ जाते हैं।
- समुद्री प्रदूषण एवं प्लास्टिक अपशिष्ट।
- अत्यधिक मत्स्यान एवं विनाशकारी मछली पकड़ने की तकनीक।
- तटीय विकास, ड्रेजिंग तथा खनन।
- महासागरीय अम्लीकरण (Ocean Acidification)।

7. संरक्षण उपाय

- Marine Protected Areas (MPAs) एवं समुद्री राष्ट्रीय उद्यानों का विकास।
- Integrated Coastal Zone Management (ICZM) का प्रभावी क्रियान्वयन।
- प्रदूषण नियंत्रण एवं सतत मत्स्य प्रबंधन।
- जलवायु परिवर्तन को कम करने हेतु ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी।
- प्रवाल पुनर्स्थापन (Coral Restoration) एवं कृत्रिम प्रवाल भित्तियों का विकास।
- स्थानीय समुदायों की भागीदारी एवं जागरूकता बढ़ाना।

प्रवाल पुनर्स्थापन

कृत्रिम प्रवाल भित्ति

जागरूकता कार्यक्रम

8. महत्वपूर्ण तथ्य

- **सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति:** ग्रेट बैरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)

- **भारत का एटोल प्रवाल क्षेत्र:** लक्षद्वीप

- **प्रवाल विरंजन का मुख्य कारण:** समुद्री तापमान में वृद्धि
- **प्रवाल का संघ:** Cnidaria
- **प्रवाल का कंकाल:** कैल्शियम कार्बोनेट ($CaCO_3$)

- विश्व की लगभग 25% समुद्री प्रजातियाँ प्रवाल भित्तियों पर निर्भर हैं।

प्रवाल भित्तियाँ समुद्र की अमूल्य धरोहर हैं, इनका संरक्षण हमारे भविष्य की सुरक्षा हैं।

GYANSHILA IAS
Learning Institute

TOPIC OF THE DAY

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

बायोपोलीमर

समाचार में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **कुंभी** में देश के **पहले बायोपॉलिमर संयंत्र** की स्थापना की घोषणा की, जिससे **हरित प्रौद्योगिकी** और **सतत विकास** को बढ़ावा मिलेगा।

अर्थप्रकाशक: -

परिभाषा – बायोपॉलिमर क्या है?-

- बायोपॉलिमर वे बहुलक हैं जो **प्राकृतिक/जैविक स्रोतों से प्राप्त** होते हैं या जैविक प्रणालियों में पाए जाते हैं।
- इनके प्रमुख उदाहरण **सेल्यूलोज, स्टार्च, प्रोटीन, डीएनए और आरएनए** हैं।
- कुछ सिंथेटिक रूप से निर्मित बायोपॉलिमर, जैसे **पॉलीलैक्टिक एसिड (PLA)**, पर्यावरण-अनुकूल प्लास्टिक विकल्प के रूप में विकसित किए गए हैं।

बायोपॉलिमर के प्रकार-

- **पॉलीसेकेराइड** – सेल्यूलोज और स्टार्च जैसे जटिल कार्बोहाइड्रेट।
- **प्रोटीन** – अमीनो अम्लों के बहुलक; इनमें एंजाइम और कोलेजन शामिल हैं।
- **न्यूक्लिक एसिड** – DNA और RNA, जो आनुवंशिक जानकारी के लिए जिम्मेदार होते हैं।
- **सिंथेटिक बायोपॉलिमर** – उदाहरण: पॉलीलैक्टिक एसिड (PLA), जिसे प्लास्टिक के पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में डिजाइन किया गया है।

बायोपॉलिमर के स्रोत-

- **वनस्पति स्रोत** – वनस्पति तेल, शर्करा, स्टार्च और सेल्यूलोज।
- **पशु/जैविक स्रोत** – प्रोटीन, कोलेजन और समुद्री जीवों के शंख।
- **अन्य जैविक स्रोत** – वसा और रेजिन।
- इन स्रोतों से विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक एवं जैव-आधारित पॉलिमर प्राप्त किए जाते हैं।

गुण / विशेषताएँ-

- बायोपॉलिमर की संरचना सिंथेटिक पॉलिमर की तुलना में अधिक जटिल हो सकती है।
- ये **बायोडिग्रेडेबल** होते हैं।
- मिट्टी के वातावरण में बैक्टीरिया द्वारा इनका अपघटन आसानी से हो सकता है।
- इनका अपघटन **ऑक्सीकरण, जल-अपघटन** या कुछ **एंजाइमों** द्वारा हो सकता है।
- ये जीवित जीवों की जीवन प्रक्रियाओं को नियंत्रित कर सकते हैं।
- ये सामान्यतः **पर्यावरण के अनुकूल** होते हैं।
- **PLA, पॉलीग्लाइकोलेट और पॉली-3-हाइड्रॉक्सीब्यूटिरेट (PHB)** जैसे बायोपॉलिमर प्लास्टिक जैसे गुण प्रदर्शित कर सकते हैं।

उत्पादन / निर्माण प्रक्रिया-

- बायोपॉलिमर का निर्माण जैविक स्रोतों से प्राप्त कच्चे पदार्थों का उपयोग करके किया जाता है।
- स्रोतों में **वसा, वनस्पति तेल, शर्करा, रेजिन, प्रोटीन, स्टार्च और सेल्यूलोज** शामिल हैं।
- **PLA** जैसे सिंथेटिक बायोपॉलिमर को जैव-आधारित कच्चे पदार्थों से तैयार किया जा सकता है।

अनुप्रयोग / उपयोग-

- **PLA** – जैवविघटनीय प्लास्टिक और एकल-उपयोग वाले उत्पादों में।
- **चिटोसन** – जल शोधन और घाव भरने में।
- **जिलेटिन** – फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य पदार्थों में।
- **सेल्यूलोज** – पौधों की कोशिका भित्ति का प्रमुख संरचनात्मक घटक।
- बायोपॉलिमर का उपयोग **चिकित्सा, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य उद्योग, पैकेजिंग और पर्यावरण-अनुकूल सामग्री** में किया जाता है।

लाभ-

- **बायोडिग्रेडेबल** होने के कारण पर्यावरण पर कम दीर्घकालिक भार।
- मिट्टी में बैक्टीरिया द्वारा अपेक्षाकृत आसानी से अपघटित हो सकते हैं।
- **कार्बन उत्सर्जन को कम करने** में योगदान दे सकते हैं।
- वायुमंडल में **कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को कम करने** में सहायता कर सकते हैं।
- जैव-अपघटन से निकलने वाली CO_2 को इनके स्थान पर उगाई जाने वाली फसलें पुनः अवशोषित कर सकती हैं।

भारत में बायोपॉलिमर – पहल-

- भारत में बायोपॉलिमर को **सतत विकास, पर्यावरण-अनुकूल सामग्री और प्लास्टिक के विकल्प** के रूप में बढ़ावा देने की संभावनाएँ हैं।
- बायोपॉलिमर से संबंधित **अनुसंधान एवं विकास** में विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है।
- **PLA जैसे जैव-आधारित पॉलिमर** पर्यावरण-अनुकूल प्लास्टिक विकल्प के रूप में महत्वपूर्ण हैं।
- बायोपॉलिमर पर निरंतर शोध इनके **संश्लेषण, लक्षण-वर्णन और नवीन अनुप्रयोगों** पर केंद्रित है।

GYANSHILA IAS
Learning Institute

MAP OF THE DAY BHARAT

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

परीछा बांध (Parichha Dam)

बुंदेलखंड की जीवनरेखा, विरासत और विकास का प्रतीक

1 मूल स्थान व परिचय

- यह **बेतवा नदी** पर, **झांसी जिले (उत्तर प्रदेश)** के **परीछा** नामक कस्बे में स्थित है।
- झांसी से लगभग **25 किमी** दूर, झांसी-कानपुर **राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 25** पर।
- झांसी को **"बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार"** कहा जाता है।
- बांध की लंबाई लगभग **1174.69 मीटर** है।

त्वरित तथ्य (Quick Facts)

नदी	बेतवा नदी (यमुना की सहायक नदी)
स्थान	परीछा, झांसी जिला, उत्तर प्रदेश
लंबाई	1174.69 मीटर
निर्माण सामग्री	चूना और सुर्खी (लाइम-सुरखी मोर्टार)
आयु	लगभग 140 वर्ष पुराना (19वीं सदी)
मान्यता	ICID WHIS अवार्ड – 2026
घोषणा तिथि	13 अगस्त 2026
पुरस्कार तिथि	14 अक्टूबर 2026 (फ्रांस के मार्सेई शहर में)

2 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

कैप्टन दोसी

- बुंदेलखंड के लिए यह प्रणाली विकसित करने का विचार सबसे पहले **कैप्टन दोसी** ने **1855** में एक विस्तृत सर्वे के बाद प्रस्तावित किया था।
- सिंचाई विभाग के दस्तावेजों के अनुसार बेतवा नदी के प्रवाह का सर्वेक्षण सबसे पहले 1855 में शुरू हुआ था।
- इसका निर्माण **चुना और सुर्खी** (लाइम-सुरखी मोर्टार) के माध्यम से कराया गया था – यह उस समय की पारंपरिक इंजीनियरिंग तकनीक थी।
- यह बांध लगभग **140 वर्ष** पुराना माना जाता है (19वीं सदी की उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का प्रतीक)।

3 विश्व धरोहर सिंचाई संरचना (WHIS) – सबसे महत्वपूर्ण करंट अफेयर्स बिंदु

- परीछा बांध को इंटरनेशनल कमीशन ऑन इरिगेशन एंड ड्रेनेज (ICID) द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज इरिगेशन स्ट्रक्चर (WHIS) के रूप में मान्यता दी गई है।
- यह मान्यता **13 अगस्त 2026** को केंद्रीय जल आयोग की संस्तुति के बाद औपचारिक रूप से घोषित हुई।
- WHIS मान्यता का मानदंड: यह उन सिंचाई संरचनाओं को दी जाती है जो 100 वर्ष से अधिक पुरानी हों और आज भी क्रियाशील हों।
- यह पुरस्कार **14 अक्टूबर 2026** को फ्रांस के मार्सेई शहर में आयोजित 26वीं ICID अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस और 77वीं इंटरनेशनल एग्जीक्यूटिव काउंसिल बैठक में प्रदान किया जाएगा – इसे **'WHIS अवार्ड-2026'** कहा जा रहा है।
- **ध्यान दें:** 2022 में झांसी की दो मुख्य-दुकलव वियर को भी ICID की हेरिटेज सूची में शामिल किया गया था – यानी यह UP का दूसरा ऐसा बांध है।

4 कार्य और महत्व (Functional Importance)

सिंचाई: यह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती 5 जिलों के कुल [illegible] गर्ने सहेबाती के के माध्यनो लगभग लेतानागार्न **4.28 लाख हेक्टेयर** (4,28,360 हेक्टेयर) – यानी करीब 5 लाख हेक्टेयर – भूमि की सिंचाई करता है।

पेयजल आपूर्ति: इस बांध से UP और MP के 5 जिलों के हजारों गांवों की पेयजल समस्या भी हल होती है।

विद्युत उत्पादन: इसके जलाशय (reservoir) का उपयोग परीछा थर्मल पावर स्टेशन (Parichha Thermal Power Station) द्वारा बिजली उत्पादन में किया जाता है।

पर्यटन/जल क्रीड़ा: जलाशय का पानी नोलाग्रह पुल (झांसी से [illegible] जाता है, जो जल [illegible] के लोकल UP मना दूसरा ऐसा बांध है।

5 केन-बेतवा लिंक परियोजना से संबंध

- परीछा बांध का केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना (Ken-Betwa River Linking Project) में भी भूमिका निर्धारित है – यह भारत की पहली नदी जोड़ी परियोजना है।
- बांध की आयु पुरी हो जाने (structure aging out) के कारण सिंचाई विभाग ने इसकी मरम्मत/नवीनीकरण या नए बांध निर्माण का प्रस्ताव भी सरकार को भेजा है।

6 परीछा बांध – संक्षिप्त विशेषताएँ

- यह बांध बुंदेलखंड क्षेत्र की जल प्रबंधन की ऐतिहासिक विरासत है।
- बेतवा नदी पर निर्मित यह बांध आज भी स्थानीय लोगों के जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी है।
- इतिहास, विरासत और आधुनिक उपयोग – तीनों दृष्टियों से यह बांध अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संबंधित क्षेत्र

बुंदेलखंड क्षेत्र, जो प्रायः सूखा-ग्रस्त रहा है, वहां जल प्रबंधन और सतत विकास के लिए यह बांध अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

UPSC दृष्टिकोण से जोड़ने योग्य विषय

विषय	संबंध	इतिहास	करंट उपलब्धि	सरकारी योजनाएँ	पर्यावरण/जल संसाधन	ऊर्जा
बेतवा नदी – यमुना सहायक नदी, बुंदेलखंड क्षेत्र	बेतवा नदी – यमुना की सहायक नदी, बुंदेलखंड क्षेत्र	औपनिवेशिक काल की सिंचाई इंजीनियरिंग (1855 सर्वे)	ICID WHIS अवार्ड 2026, मान्यता (अगस्त 2026) पुरस्कार (अक्टूबर 2026)	केन-बेतवा लिंक परियोजना, नदी जोड़ी अभियान	सूखा-प्रवण बुंदेलखंड क्षेत्र में जल प्रबंधन	परीछा थर्मल पावर स्टेशन

यह बांध बुंदेलखंड की जल, कृषि, ऊर्जा और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ भारत की समृद्ध सिंचाई विरासत का गौरवशाली प्रतीक है।

GYANSHILA IAS
Learning Institute

MAP OF THE DAY WORLD

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

बोस्पोरस जलसंधि (इस्तांबुल जलसंधि)

1. परिचय

बोस्पोरस जलसंधि, जिसे इस्तांबुल जलसंधि भी कहा जाता है, तुर्की के उत्तर-पश्चिमी भाग में एक प्राकृतिक जलसंधि है।
यह उत्तर में **काला सागर** को दक्षिण में **मरमारा सागर** से जोड़ती है। यह **यूरोप और एशिया** महाद्वीपों को अलग करती है और **इस्तांबुल** शहर को दो महाद्वीपों (यूरोप और एशिया) में विभाजित करती है।

2. भौगोलिक स्थिति

- यह तुर्की के यूरोपीय भाग (थ्रेस) और एशियाई भाग (अनातोलिया) के बीच स्थित है।
- यह उत्तरी अनातोलियन भ्रंश क्षेत्र (North Anatolian Fault Zone) से प्रभावित एक टेक्टोनिक संरचना है।

4. भौतिक विशेषताएँ

विशेष	विवरण
लंबाई	लगभग 30–31 किमी
चौड़ाई	न्यूनतम ~700 मीटर से अधिकतम ~3.7 किमी
गहराई	अधिकतर लगभग 110 मीटर
प्रकार	इंटरनेशनल नौवहन जलमार्ग, विश्व की सबसे बड़ी संक्रांति जलसंधि
यातायात	इंग्लिश चैनल के बाद विश्व की दूसरी सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली शिपिंग लेन

5. रणनीतिक और आर्थिक महत्व

1. **एकमात्र समुद्री मार्ग:** रूस, यूक्रेन, जॉर्जिया, रोमानिया, बुल्गारिया जैसे काला सागर तटवर्ती देशों के लिए विश्व महासागर तक एकमात्र समुद्री मार्ग।
2. **ऊर्जा गलियारा:** रूस और कैस्पियन क्षेत्र का प्रतिदिन लाखों डॉलर का तेल इसी मार्ग से वैश्विक बाजारों (भारत सहित) तक पहुँचता है।
3. **खाद्य सुरक्षा:** काला सागर क्षेत्र (विशेषकर यूक्रेन-रूस) से अनाज (गेहूं, सूरजमुखी आदि) का निर्यात इसी मार्ग से होता है, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा से सीधे जुड़ा है।

6. मॉन्ट्रो कन्वेंशन, 1936

- हस्ताक्षर: 20 जुलाई 1936, मॉन्ट्रो (स्विट्ज़रलैंड) में; प्रभावी 9 नवंबर 1936 से।
- हस्ताक्षरकर्ता: तुर्की, ब्रिटेन, फ्रांस, सोवियत संघ (यूएसएसआर), बुल्गारिया, यूगोस्लाविया, ऑस्ट्रेलिया आदि (लौज़ेन संधि 1923 के पक्षकार)।
- मुख्य प्रावधान:

तुर्की के अधिकार
तुर्की को जलसंधियों पर पूर्ण संप्रभुता और सैन्यीकरण का अधिकार पुन: प्राप्त हुआ (जो लौज़ेन संधि 1923 के तहत प्रतिबंधित था)।

शांतिकाल में
सभी देशों के व्यावसाधिक (व्यापारी) जहाजों को स्वतंत्र रूप से आवागमन की अनुमति।

युद्धकाल में
- यदि तुर्की युद्ध में नहीं है, तो वह देशों के युद्धपोतों को रोक सकता है, लेकिन व्यावसाधिक जहाजों को नहीं।
- यदि तुर्की स्वयं युद्ध में है, तो वह पूर्ण विवेकाधिकार से मार्ग को नियंत्रित कर सकता है।

युद्धपोतों की सीमा
काला सागर तटवर्ती देशों के युद्धपोतों की तुलना में गैर-तटीय देशों के युद्धपोतों के आकार, संख्या और ठहराव अवधि पर सीमाएँ निर्धारित की गई हैं।

7. कनाल इस्तांबुल प्रोजेक्ट

- तुर्की सरकार (राष्ट्रपति अर्दोआन) द्वारा प्रस्तावित एक कृत्रिम, लगभग 45 किमी लंबी नहर, जो बोस्पोरस के समानांतर काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ेगी।
- उद्देश्य: बोस्पोरस पर बढ़ते यातायात और दुर्घटनाओं (जैसे 1979 की एमटी इंडिपेंडेंटा कैजुअल्टी) के जोखिम को कम करना तथा शहरी विस्तार और राजस्व सृजन।
- विवाद: आलोचकों (सेवानिवृत्त विद्वान/नौसैनिक अधिकारियों सहित) का तर्क है कि यह परियोजना **मॉन्ट्रो कन्वेंशन** को कमजोर कर सकती है। तुर्की सरकार का कहना है कि यह नई नहर मॉन्ट्रो के दायरे में नहीं आएगी (और यहाँ **पारगमन शुल्क** लागू होगा, जो मॉन्ट्रो के तहत संभव नहीं है)।
- अन्य चिंताएँ: मरमारा सागर की पारिस्थितिकी और जल-संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव की आशंका।

9. संबंधित/तुलनीय जलसंधियाँ

जलसंधि	जोड़ती है	विशेषता
डार्डेनेल्स जलसंधि	मरमारा सागर ↔ एजियन सागर	तुर्की जलसंधि तंत्र का दूसरा भाग
केर्च जलसंधि	काला सागर ↔ आज़ोव सागर	क्रीमिया और रूस के बीच स्थित
मलक्का जलसंधि	अंडमान सागर ↔ दक्षिण चीन सागर	एशिया का ऐतिहासिक महत्व, लगभग 800 किमी लंबी
होर्मुज जलसंधि	फारस की खाड़ी ↔ ओमान की खाड़ी/अरब सागर	विश्व का प्रमुख तेल पारगमन बिंदु

तथ्य: बोस्पोरस जलसंधि यूरोप और एशिया को जोड़ने वाली नहीं, बल्कि अलग करने वाली प्राकृतिक सीमा है, परंतु यही विभाजन इसे विश्व के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक बनाता है।

स्थान: तुर्की (इस्तांबुल शहर)

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Wednesday, 02 September 2026

1. शोधकर्ताओं ने हाल ही में सोलर फ्लेयर्स (सौर ज्वालाओं) से पहले होने वाली प्रक्रियाओं की जांच के लिए किस भारतीय अंतरिक्ष मिशन के डेटा का उपयोग किया है?

(A) मंगलयान (B) एक्सपोसैट
(C) आदित्य-L1 (D) एस्ट्रोसैट

2. भारत की हाल ही में घोषित सेमीकॉन 2.0 योजना के संदर्भ में, सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में OSAT शब्द का क्या अर्थ है?

(A) ओवरसीज सेमीकंडक्टर असेंबली टेक्नोलॉजी
(B) आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट
(C) ऑप्टिकल सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेक्नोलॉजी
(D) ओरिजिनल सेमीकंडक्टर एनालिसिस एंड टेस्टिंग

3. "मिशन रंगीन मछली 2031" रणनीतिक कार्य योजना किस क्षेत्र के विकास से संबंधित है?

(A) सजावटी मछली पालन
(B) अंतर्देशीय जलीय कृषि
(C) गहरे समुद्र में खनन
(D) समुद्री पर्यटन

4. हाल ही में किस भारतीय राज्य ने केवल महिलाओं के लिए एक विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की?

(A) झारखंड (B) ओडिशा
(C) पश्चिम बंगाल (D) बिहार

5. किस भारतीय राज्य ने ओजोन गैस का उपयोग करके अपना पहला पेयजल उपचार प्रोजेक्ट शुरू किया है?

(A) उत्तराखंड (B) हिमाचल प्रदेश
(C) सिक्किम (D) जम्मू और कश्मीर

6. किस अंतरिक्ष एजेंसी ने अगस्त 2026 में नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप लॉन्च किया?

(A) ESA (B) ISRO
(C) JAXA (D) NASA

7. किन दो राज्यों ने सोन नदी के लिए जल-बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे 25 साल पुराना विवाद सुलझ गया है?

(A) बिहार और झारखंड (B) बिहार और उत्तर प्रदेश
(C) झारखंड और ओडिशा
(D) मध्य प्रदेश और बिहार

8. अगस्त 2026 में अल नीनो घटना के कारण किस देश ने देशव्यापी आपातकाल की घोषणा की है?

(A) पेरू (B) मिस्र
(C) इक्वाडोर (D) होंडुरास

9. निम्नलिखित में से किसे अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और कानून में उनके योगदान के लिए 2026 रेमन मैग्सेसे पुरस्कार का प्राप्तकर्ता नामित किया गया है?

(A) टॉमी कोह (B) रूना खान
(C) बो की (D) शाहिना अली

10. लियोनेल मेसी ने अगस्त 2026 में किस राष्ट्रीय टीम से संन्यास लेने की घोषणा की है?

(A) ब्राज़ील (B) स्पेन
(C) अर्जेंटीना (D) पुर्तगाल

1-{C} - 2-{B} - 3-{A} - 4-{D} - 5-{B} - 6-{D} - 7-{A} - 8-{C} - 9-{A} -10-{C}